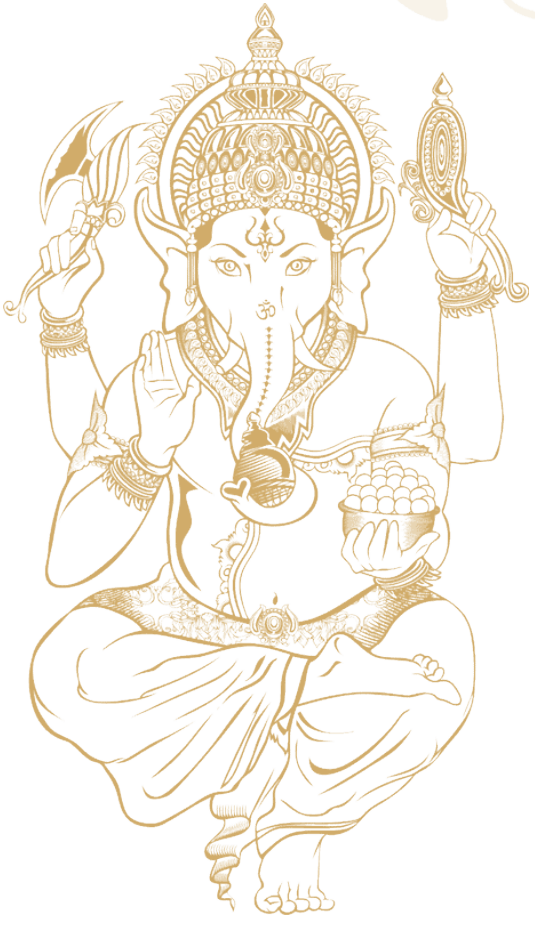

Sri Akash Dhawna

23 Apr 1990

12:02 AM

Raipur

Model: Varshphal-2017 **Order No: 120408701**

तिथि 23/04/1990 **समय** 00:02:00 **वार** सोमवार **स्थान** Raipur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:43:29
अक्षांश 21:16:00 उत्तर **रेखांश** 81:42:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:03:12 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	14:01:00 घं
वेलान्तर	00:01:37 घं
सूर्योदय	05:39:21 घं
सूर्यास्त	18:24:37 घं
चैत्रादि संवत	2047
शक संवत	1912
मास	वैशाख
पक्ष	कृष्ण
तिथि	13
नक्षत्र	उ०भाद्रपद
योग	ऐन्द्र
करण	गर

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(रा.-न.)	लौह-लौह
होरा	सूर्य
चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी

शनि 16वर्ष 11मा 1दि

केतु

24/03/2024
25/03/2031

केतु	20/08/2024
शुक्र	20/10/2025
सूर्य	25/02/2026
चन्द्र	26/09/2026
मंगल	22/02/2027
राहु	12/03/2028
गुरु	16/02/2029
शनि	27/03/2030
बुध	25/03/2031

योगिनी

भद्रिका 4वर्ष 5मा 13दि

भद्रिका

05/10/2025
05/10/2030

भद्रिका	15/06/2026
उल्का	16/04/2027
सिद्धा	05/04/2028
संकटा	16/05/2029
मंगला	05/07/2029
पिंगला	15/10/2029
धान्या	16/03/2030
भ्रामरी	05/10/2030

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			25:51:55	धनु	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	बुध	---	0:00			
सूर्य			08:38:15	मेष	अश्विनी	3	केतु	गुरु	उच्च राशि	1.60	मातृ	पितृ	विपत
चंद्र			04:47:34	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	सम राशि	1.51	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल			07:39:31	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	राहु	सम राशि	1.42	पुत्र	भ्रातृ	मित्र
बुध			23:47:20	मेष	भरणी	4	शुक्र	शनि	सम राशि	1.01	आत्मा	ज्ञाति	क्षेम
गुरु			11:53:22	मिथु	आर्द्रा	2	राहु	शनि	शत्रु राशि	1.00	भ्रातृ	धन	मित्र
शुक्र			23:40:34	कुंभ	पू०भाद्रपद	2	गुरु	शनि	मित्र राशि	1.33	अमात्य	कलत्र	अतिमित्र
शनि			01:29:33	मक	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	गुरु	स्वराशि	1.65	कलत्र	आयु	प्रत्यारि
राहु	व		19:20:18	मक	श्रवण	3	चंद्र	बुध	मित्र राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु	व		19:20:18	कर्क	आश्लेषा	1	बुध	शुक्र	मित्र राशि		---	मोक्ष	सम्पत

लग्न-चलित

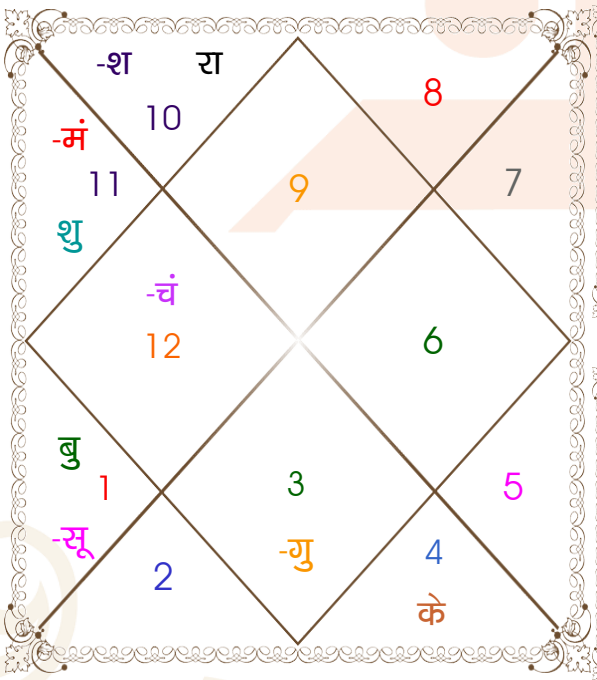

चन्द्र कुंडली

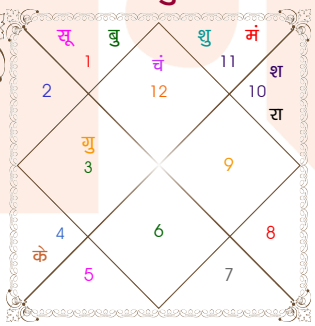

नवमांश कुंडली

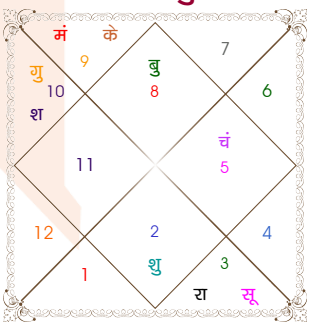

सर्वाष्टकवर्ग

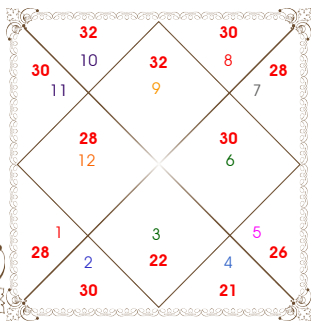

दशमांश कुंडली

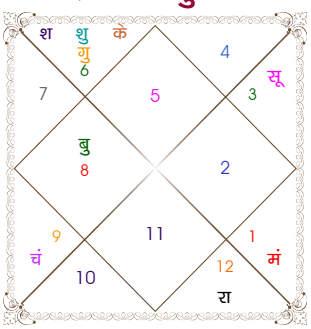

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा वातजनित रोगों या बुखार आदि से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु वर्ग से इस समय आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर वे बाधाएं उत्पन्न करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा परस्पर कलह एवं विवाद होता रहेगा। साथ ही स्त्री से भी आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी एवं संबंधों में तनाव रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में कटुता रहेगी। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई सहयोग नहीं मिलेगा तथा उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको मानसिक तथा सांसारिक कष्ट प्राप्त होंगे। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा अधिकाशं कार्यो में असफलता ही मिलेगी एवं रूकावटें भी उत्पन्न होंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा । इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः नवीन कार्य प्रारम्भ न करें तथा पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा वरिष्ठ नेता एवं अधिकारी वर्ग आपसे असन्तुष्ट रहेगा जिससे कार्य क्षेत्र प्रभावित होगा। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा आय स्रोतों में व्यवधान होंगे फलतः यदा कदा आपको धनाभाव का सामना भी करना पड़ सकता है। साथ ही व्यय भी अधिक रहेगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। अतः इस समय शान्ति एवं परिश्रम पूर्वक अपने कार्यो में तत्पर रहें तथा विशेष शुभ फल की आशा कम ही रखें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक अस्वस्थता एवं परेशानी से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे । इस समय आप में दुर्बलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा स्वभाव में क्रोध की भी अधिकता रहेगी। मानसिक रूप से भी आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस वर्ष शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे एवं वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य भी परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंध तनाव पूर्ण रहेंगे तथा उनसे आपको अल्प सुख या सहयोग प्राप्त होगा तथा दाम्पत्य सुख में भी इस समय अल्पता की अनुभूति होगी । इसके अतिरिक्त विगत रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प भी आपके अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष प्रतिकूल रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे अतः इस समय किसी नवीन कार्य को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी आपके वरिष्ठ नेता या अधिकारी वर्ग आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः इनसे सावधान रहें तथा विनम्रता पूर्वक इनकी आज्ञा का पालन करें। सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में भी इस समय अल्पता रहेगी तथा मिथ्या वाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आर्थिक दृष्टि से भी आपको समय समय पर परेशानी रहेगी। अतः धैर्य एवं परिश्रम पूर्वक अपना समय व्यतीत करें तथा विशेष शुभ फलों की अपेक्षा न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आपके मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता बनी रहेगी। शत्रु वर्ग से आप इस समय भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अतः शत्रु पक्ष से आपको सावधान रहना चाहिए। इस समय आपके रूके हुए कार्य भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे साथ ही आशाओं में भी सामान्यतया असफलता ही प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में ही परिश्रम पूर्वक धनार्जन होगा लेकिन यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको धनाभाव संबधी परेशानी हो सकती है। इसके साथ ही रक्त विकार संबधी कष्ट की संभावना भी रहेगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए वर्ष विशेष अनुकूल नहीं रहेगा तथा कार्यक्षेत्र संबधी परेशानी रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। फलतः व्यापार से आपको चिन्ता रहेगी। नौकरी तथा राजनीति में भी पदोन्नति संबधी समस्याएं रहेंगी तथा इससे अनावश्यक विलम्ब एवं व्यवधान उत्पन्न होंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके संबध सामान्य रहेंगे तथा उनसे इच्छित लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में परशानी रहेगी। अतः ऐसी स्थिति में आपको धैर्य एवं संयमपूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

प्रथम मास

22/04/2025 23:28:12 से 23/05/2025 23:29:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:35:12
सूर्य		मेष	अश्विनी	08:38:15
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	29:24:11
मंगल		कर्क	पुष्य	07:42:48
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	11:22:56
गुरु		वृष	मृगशिरा	25:32:45
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	02:09:45
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:46:24
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	02:40:22
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:40:22
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:51:55

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

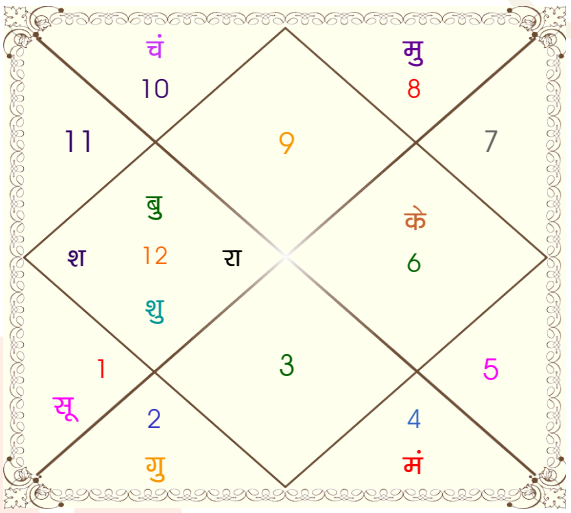

इस मास में आपको शुभाशुभ फल प्राप्त होंगे। इसके प्रभाव से आपका इस समय व्यय अधिक होगा एवं दुष्ट मनुष्यों की आपको संगति प्राप्त होगी। सामान्य रूप से आप शारीरिक अस्वस्थता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से भी अल्प मात्रा में ही कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में उपेक्षा की भावना उत्पन्न होगी तथा अन्य प्रकार से धन हानि भी हो सकती है। साथ ही मित्रों एवं संबन्धियों से सम्बन्धों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इस समय आपकी नौकरी या व्यापार में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा शत्रुओं से भय एवं चिन्ता नित्य बनी रहेगी। साथ ही जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी तथा यदाकदा आप मन में बैचेनी भी अनुभव करेंगे।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे ।अतः आप पुत्र एवं स्त्री का सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है।

द्वितीय मास

23/05/2025 23:29:51 से 24/06/2025 07:53:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	19:55:42
सूर्य		वृष	कृतिका	08:38:15
चन्द्र		मीन	रेवती	21:12:24
मंगल		कर्क	आश्लेषा	22:30:58
बुध		वृष	कृतिका	00:54:47
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	01:57:25
शुक्र		मीन	रेवती	23:03:01
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	05:40:53
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:49:40
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	00:49:40
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:21:55

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

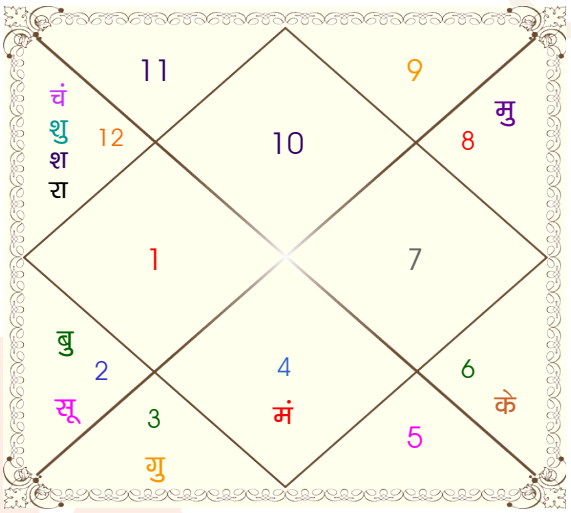

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

तृतीय मास

24/06/2025 07:53:01 से 25/07/2025 18:38:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	11:03:47
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	08:38:15
चन्द्र		वृष	रोहिणी	20:14:39
मंगल		सिंह	मघा	09:35:31
बुध		कर्क	पुनर्वसु	02:05:26
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	09:01:40
शुक्र		मेष	भरणी	24:19:10
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:24:59
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:37:59
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	27:37:59
मुंथा		धनु	मूल	00:51:55

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

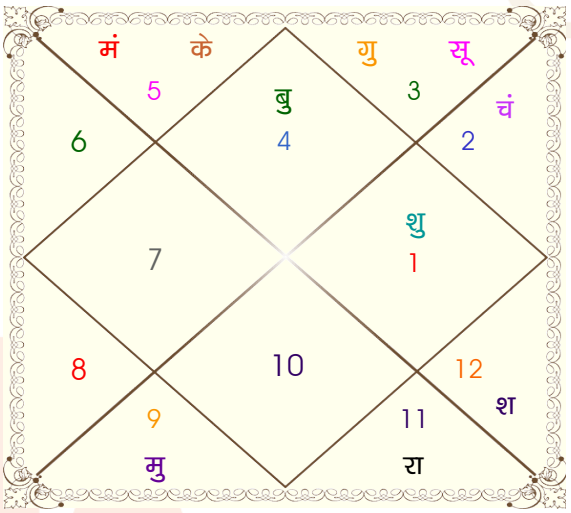

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है ।अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रुधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

चतुर्थ मास

25/07/2025 18:38:30 से 26/08/2025 01:04:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:50:12
सूर्य		कर्क	पुष्य	08:38:15
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	18:09:17
मंगल		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:08:04
बुध	व	कर्क	आश्लेषा	19:13:29
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	16:06:07
शुक्र		वृष	मृगशिरा	29:18:58
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:35:26
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:54:28
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:54:28
मुंथा		धनु	मूल	03:21:55

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

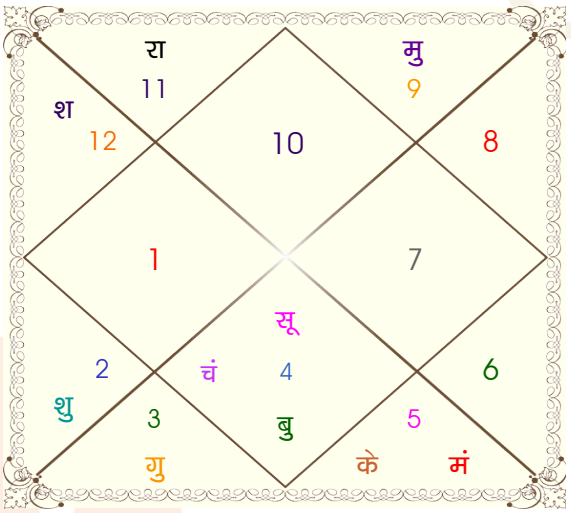

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

पंचम् मास

26/08/2025 01:04:18 से 25/09/2025 21:45:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	05:08:48
सूर्य		सिंह	मघा	08:38:15
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:35:07
मंगल		कन्या	हस्त	17:42:04
बुध		कर्क	आश्लेषा	22:03:48
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:31:04
शुक्र		कर्क	पुष्य	05:56:20
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:13:09
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:06:10
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:06:10
मुंथा		धनु	मूल	05:51:55

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

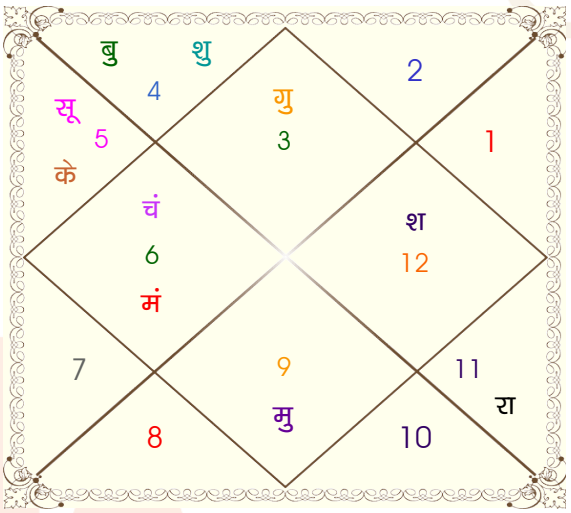

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

षष्ठ मास

25/09/2025 21:45:52 से 26/10/2025 06:07:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	16:50:44
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:38:15
चन्द्र		तुला	विशाखा	21:17:45
मंगल		तुला	स्वाति	08:02:17
बुध		कन्या	हस्त	18:18:43
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:33:49
शुक्र		सिंह	मघा	13:18:42
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:56:53
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:03:17
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:03:17
मुंथा		धनु	मूल	08:21:55

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

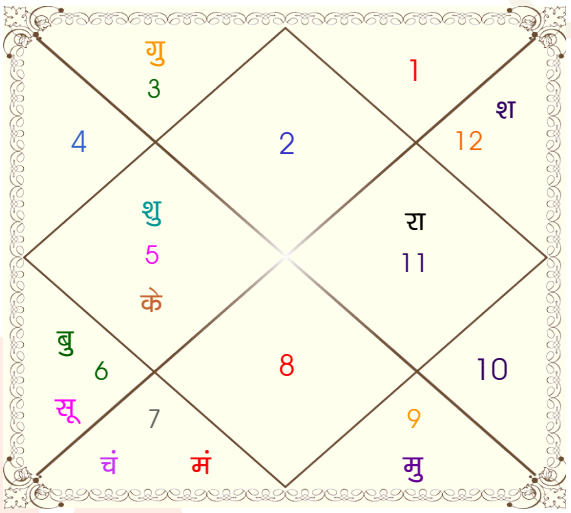

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

सप्तम् मास
26/10/2025 06:07:21 से 25/11/2025 02:55:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	08:43:51
सूर्य		तुला	स्वाति	08:38:15
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:41:21
मंगल		तुला	विशाखा	29:00:35
बुध		वृश्चिक	विशाखा	02:02:33
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:28:54
शुक्र		कन्या	हस्त	20:53:10
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:52:27
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:59:51
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:59:51
मुंथा		धनु	मूल	10:51:55

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

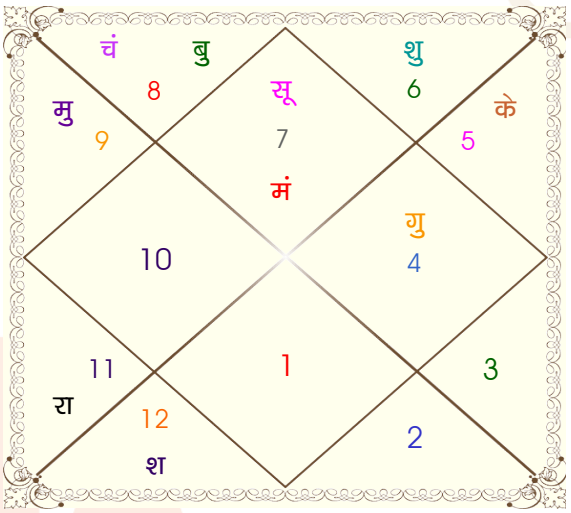

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
25/11/2025 02:55:08 से 24/12/2025 15:53:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	21:39:35
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	08:38:15
चन्द्र		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:13:19
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:33:43
बुध	व	तुला	विशाखा	28:41:55
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:38:31
शुक्र		तुला	विशाखा	28:18:04
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:56:50
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:16:28
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:16:28
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:21:55

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

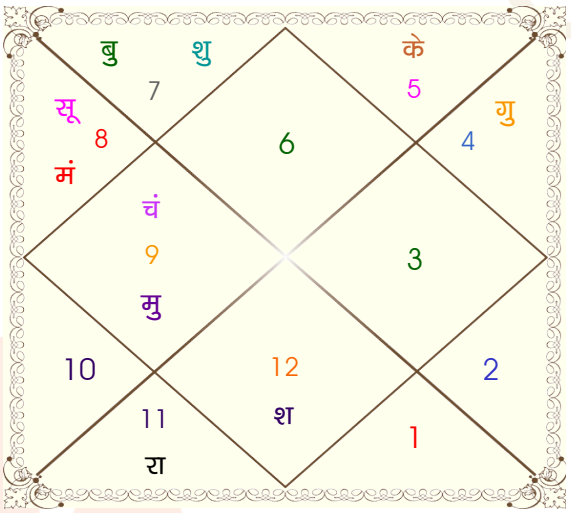

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्धारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
24/12/2025 15:53:37 से 23/01/2026 02:41:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	17:14:39
सूर्य		धनु	मूल	08:38:15
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	27:56:59
मंगल		धनु	मूल	12:41:15
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:04:07
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:05:29
शुक्र		धनु	मूल	05:27:43
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:33:01
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:03:27
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:03:27
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:51:55

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

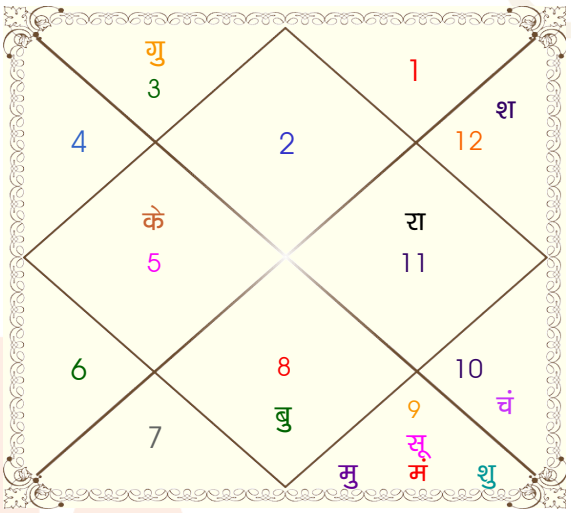

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चिंतित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

दशम् मास
23/01/2026 02:41:20 से 21/02/2026 17:27:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	10:49:31
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:38:15
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:44:46
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:23:05
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:27:19
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:13:45
शुक्र		मकर	श्रवण	12:30:22
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:33:51
राहु		कुम्भ	शतभिषा	15:07:50
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:07:50
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:21:55

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

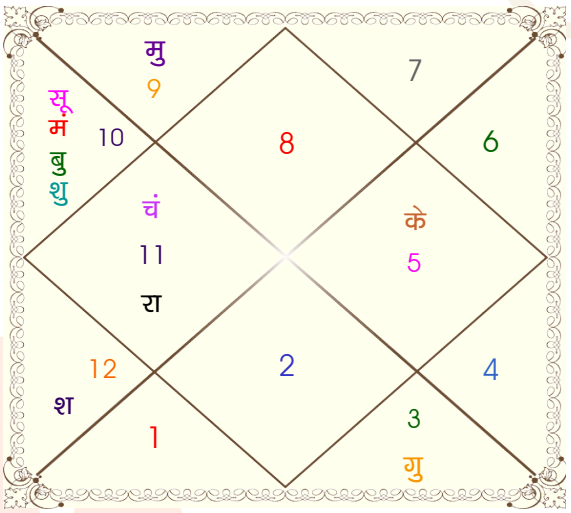

इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे।साथ ही इस मास में मिष्ठान्न के प्रति आपके मन में विशेष रूचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे। इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

एकादश मास

21/02/2026 17:27:51 से 23/03/2026 17:26:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	01:15:36
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	08:38:15
चन्द्र		मीन	रेवती	29:02:16
मंगल		मकर	धनिष्ठा	28:36:33
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:29:29
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:22:12
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	19:37:39
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:37:12
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:44:25
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:44:25
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:51:55

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

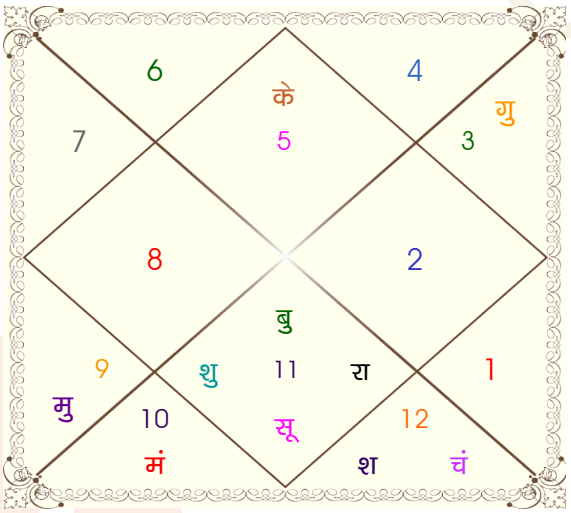

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

द्वादश मास

23/03/2026 17:26:09 से 23/04/2026 05:33:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:03:53
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	08:38:15
चन्द्र		वृष	कृतिका	07:57:39
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:13:43
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:36:32
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:06:31
शुक्र		मीन	रेवती	26:55:32
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:15:43
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:32:27
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:32:27
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:21:55

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

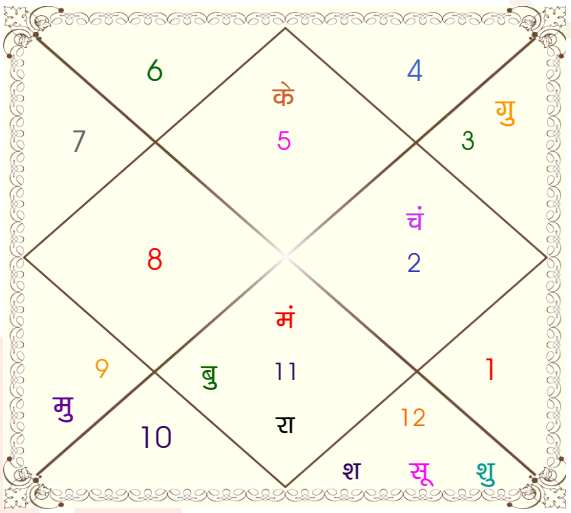

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे।आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से आवश्यक सहयोग अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।